



बक्सर

**खबरें फटाफट
सब्जी विक्रेता की
पिटाई कर छीन
लिये रुपए**

द्वामरांवं । नया भोजपुर ओपी थाना क्षेत्र के पेपर मील के समीप रास्ते में घेरकर एक सब्जी विक्रेता की पिटाई किये जाने का मामला प्रकाश में आया है । इस मामले में जख्मी ने ओपी थाने में आवेदन देकर चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है । पुलिस मामले को दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दी है । जख्मी नया भोजपुर का रहने वाला रामाकांत पांडेय का पुत्र विश्वजीत पांडेय बताया जाता है । पीडित ने पुलिस को दिये गये आवेदन में बताया है कि वह साइकिल से सब्जी बेचकर घर लौट रहा था । इसी दौरान पेपर मील के समीप गाव के ही मट्ट यादव, युवराज यादव, पूर्णमासी यादव एवं संदीप यादव ने घेरकर मेरी पिटाई कर की, इस दौरान मेरे पॉकेट से 11 हजार रुपये निकाल लिया और मुझे जमीन पर पटक दिया । शायगुल सुनकर कुछ राहगीर और ग्रामीण वहाँ पहुँचे, लोगों को देख आरोपी फरार हो गये । ओपी थानाध्यक्ष सुबोध कुमार ने बताया कि इस मामले में पुलिस जांच-पड़ताल शुरू कर दी है ।

मुजफ्फरपुर स बरामद फरार युवती

दुमराव। बारात आन स पहल ही फरार युवती को पुलिस ने मुजफ्फरपुर जिले के सरेया थाना स्थित स्थानीय गांव से बरामद करने में सफलता पायी है। मामला दुमराव थाना क्षेत्र के तुलसीपुर गांव का बताया जाता है। पुलिस की टीम बरामद युवती से पूछताछ कर न्यायालय के समक्ष बयान दर्ज कराया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार बताया जाता है कि युवती की बारात 28 फरवरी को आने वाली थी। परिजन बारात की स्वागत-सत्कार की तैयारी में जुटे थे। इसी दौरान वह मौका पाकर अपने घर से डेंड लाख के गहने और 30 हजार रुपये नगद लेकर फरार हो गयी। इसकी जानकारी परिजनों को मिली तो घर मे अफरा-तफरी मच गई। काफी खोजबीन के बाद भी जब युवती का कोई सुराग नही मिला तो परिजनों ने थाने में मामला दर्ज कराया।

ਇਟਾਯਾਰ्ड ਦਾ ਰਾਗੇਗਾ ਦੇ 9.5 ਲਾਖ ਕੀ
ਧੋਖਾਧੜੀ, ਤੀਜ਼ ਲੋਗਾਂ ਪਰ ਕੇਥ

ओझाबद्दल के ठाकुर यादव हत्याकांड का एक आरोपी गिरफ्तार

- ◆ दुम्हसाव एसपा न प्रेस वाता
आयोजित कर दी जानकारी
 - ◆ होली की शाम जमीन के
टुकड़े को लेकर की गई हत्या।

केटी न्यूज़/दुमरांव

जातोंसाज न दो किस्त में कुल 9.5 लाख रुपए की धोखाधड़ी कर ली है। इस मामले में एक बार पुलिस के समक्ष पंचायती भी हुई थीं तथा आरोपियों ने कुछ समय की मांग की थी। जिस पर नैन ज्युडिसियल स्टांप पर उनका हस्ताक्षर करवा पीडित ने उठें पुलिस के कहे अनुसार समझ भी दिया। बावजूद वे पैसा देने के बदले फरार हो गए हैं।

पीडित नवाडेरा के उमाशंकर सिंह ने दुमरांव थाने में दिए आवेदन में बताया है कि 2017 में रिटायरमेंट के कुछ दिनों बाद ही सिमरी थाना क्षेत्र के मझबवारी गांव निवासी रामकुमार सिंह उर्फ रमेश

केवीके ने काशीपुर एवं पवनी में किया सरसों प्रक्षेत्र दिवस सह गोष्ठी का आयोजन, किसानों को दी गई जानकारी

कम लागत में अच्छी मुनाफा देगी सरसों की फसल : डॉ मंधाता सिंह

केटी न्यूज/बक्सर

A photograph showing a group of farmers standing in a green field. On the right side, a man holds a large white banner with blue and red text. The banner reads "प्रदेश दिवस मह किसान गांवी" (Pradesh Divas Mah Kisan Gaon) at the top. Below it, it says "प्रभागी - पूर्णा वर्षगति ५०" (Prabhagi - Purna Varshgati 50). The banner also features smaller text in Devanagari script and some logos. The farmers are dressed in traditional Indian clothing, including sarees and dhotis. The background shows a vast green landscape under a clear sky.

फसल की बुआई के तरीकों तथा
बेहतर समय के बारे में जानकारी दी।
उन्होंने किसानों को बताया कि अगर
15 अक्टूबर से 15 नवम्बर के बीच
सरसों की बुआई की जाये तो फसल
में किसी भी प्रकार के रोग व कीट
नहीं लगते हैं। इस दौरान बोर्ड जाने
वाली फसल का उत्पादन दर भी
अधिक होता है।

आधिक हाता है।
उन्होंने किसानों से कहा कि सरसों की फसल में अगर सल्फर पोषक तत्व 10 किग्रा प्रति एकड़ के दर से प्रयोग किया जाये तो उत्पादन में वृद्धि होती है तथा तेल भी ज्यादा

मेलता है। इसके अलावे उन्होंने किसानों को सरसों के खेती संबंधित कई अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां भी दी तथा कहा कि यह फसल कम समय में तैयार होने वाला फसल है। इससे तेल के साथ ही पशुचारा, खल्ली आदि भी किसानों को मिल जाता है। इस कार्यक्रम में प्रगतिशील किसान रामप्रवेश दुबे, अंजू देवी, कलावती देवी ने उपस्थित किसानों को अपना अपना अनुभव साझा किया तथा कुषि वैज्ञानिक मंधाता संसेंध की बातों का समर्थन किया। कार्यक्रम में उपस्थित किसानों ने

संसों के खेत का भी निरक्षण किया गया खुशी जाहिर की। किसानों ने हांह कि यहां आकर उन्हें काफी छ्ठी जानकारियां मिली हैं। किसानों ने अगले सीजन में वैज्ञानिक द्रव्य से सरसों की खेती करने पर उम्मति भी जराई। वही प्रगतिशील किसानों ने भी कहा कि अगर खेती वैज्ञानिक तरीके से की जाये तो किसानों को ज्यादा लाभ मिलेगा। इस प्रयोग क्रम में रामाशीष दुबे, जोखानी गी, शीतला देवी, दुर्गावती देवी हेत 100 से ज्यादा किसान स्थित थे।

बच्चे विशाल को लेकर अस्पताल में पदस्थापित हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. सुमित सौरभ के यहां पहुंचे थे। उसका पैर जन्म के समय से ही टेढ़ा था। उन्होंने मरीज के परिजनों को आश्वस्त किया कि बच्चे का पैर कुछ हद तक सीधा हो सकता है। लेकिन इसके लिए प्रत्येक सप्ताह पैर पर प्लास्टर चढ़ाना पड़ेगा। परिजनों की स्वीकृति के बाद उन्होंने इलाज शुरू किया। 45 दिन के इलाज में ही बच्चे का पैर बहुत हद तक सीधा दिखने लगा है। डा. सुमित सौरभ ने कहा कि 15 दिन का बच्चा को पैर दिखाने के लिए अस्पताल में लेकर आए थे। आज बच्चे को देखकर परिजनों के चेहरे पर रुख़ी देखने को मिल रही है। उन्होंने आगे कहा कि परिजन को सहयोग मिला। इसलिए, इलाज संभव हुआ। उन्होंने कहा कि इलाज में लगभग 20-25 हजार का खर्च आता। लेकिन आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज होने से परिजनों को कोई खर्च नहीं देना पड़ा।

